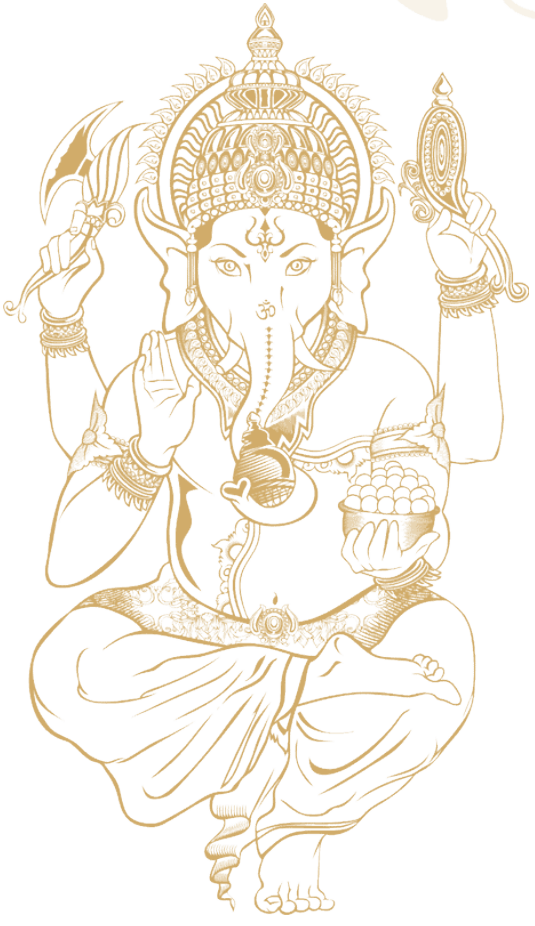

Anjli

25 Jan 2008

08:16 PM

Patna

Model: web-freekundliweb

Order No: 121962002

लिंग	स्त्रीलिंग
जन्म तिथि	**25/01/2008**
दिन	शुक्रवार
जन्म समय	**20:16:00 घंटे**
इष्ट	34:10:16 घटी
स्थान	**Patna**
राज्य	Bihar
देश	India

अक्षांश	25:37:00 उत्तर
रेखांश	85:12:00 पूर्व
मध्य रेखांश	82:30:00 पूर्व
स्थानिक संस्कार	00:10:48 घंटे
ग्रीष्म संस्कार	00:00:00 घंटे
स्थानिक समय	20:26:48 घंटे
वेलान्तर	-00:12:09 घंटे
साम्पातिक काल	04:43:58 घंटे
सूर्योदय	06:35:53 घंटे
सूर्यास्त	17:27:07 घंटे
दिनमान	10:51:14 घंटे
सूर्य स्थिति(अयन)	उत्तरायण
सूर्य स्थिति(गोल)	दक्षिण
ऋतु	शिशिर
सूर्य के अंश	11:01:47 मकर
लग्न के अंश	18:55:16 सिंह

अवकहड़ा चक्र

लग्न-लग्नाधिपति	सिंह - सूर्य
राशि-स्वामी	**सिंह - सूर्य**
नक्षत्र-चरण	**पू०फाल्गुनी - 2**
नक्षत्र स्वामी	शुक्र
योग	शोभन
करण	बव
गण	मनुष्य
योनि	मूषक
नाड़ी	मध्य
वर्ण	क्षत्रिय
वश्य	वनचर
वर्ग	श्वान
युँजा	मध्य
हंसक	अग्नि
जन्म नामाक्षर	टा-टपकेश्वरी
पाया(राशि-नक्षत्र)	स्वर्ण - रजत
सूर्य राशि(पाश्चात्य)	कुम्भ

ग्रह स्पष्ट तथा उनकी स्थिति

ग्रह	व	अ	राशि	अंश	गति	नक्षत्र	पद	नं.	रा	न	अं.	स्थिति
लग्न			सिंह	18:55:16	323:19:49	पू०फाल्गुनी	2	11	सूर्य	शुक्र	राहु	---
सूर्य			मक	11:01:47	01:01:00	श्रवण	1	22	शनि	चंद्र	चंद्र	शत्रु राशि
चंद्र			सिंह	19:09:04	12:57:33	पू०फाल्गुनी	2	11	सूर्य	शुक्र	राहु	मित्र राशि
मंगल	व		मिथु	00:17:16	00:04:09	मृगशिरा	3	5	बुध	मंगल	बुध	शत्रु राशि
बुध			मक	28:57:41	00:34:01	धनिष्ठा	2	23	शनि	मंगल	शनि	सम राशि
गुरु			धनु	14:34:02	00:13:04	पूर्वाषाढ़ा	1	20	गुरु	शुक्र	शुक्र	स्वराशि
शुक्र			धनु	07:35:49	01:13:43	मूल	3	19	गुरु	केतु	गुरु	सम राशि
शनि	व		सिंह	13:23:35	00:03:40	पू०फाल्गुनी	1	11	सूर्य	शुक्र	शुक्र	शत्रु राशि
राहु			कुंभ	03:49:21	00:01:10	धनिष्ठा	4	23	शनि	मंगल	शुक्र	मित्र राशि
केतु			सिंह	03:49:21	00:01:10	मघा	2	10	सूर्य	केतु	चंद्र	शत्रु राशि
हर्ष			कुंभ	22:21:15	00:02:46	पू०भाद्रपद	1	25	शनि	गुरु	शनि	---
नेप			मक	27:07:28	00:02:12	धनिष्ठा	2	23	शनि	मंगल	गुरु	---
प्लूटो			धनु	06:00:43	00:01:54	मूल	2	19	गुरु	केतु	राहु	---
दशम भाव			वृष	18:29:24	--	रोहिणी	--	4	शुक्र	चंद्र	बुध	--

व - वक्री स - स्थिर
अ - अस्त पू - पूर्ण अस्त
राहु : स्पष्ट

चित्रपक्षीय अयनांश : 23:58:21

लग्न-चलित

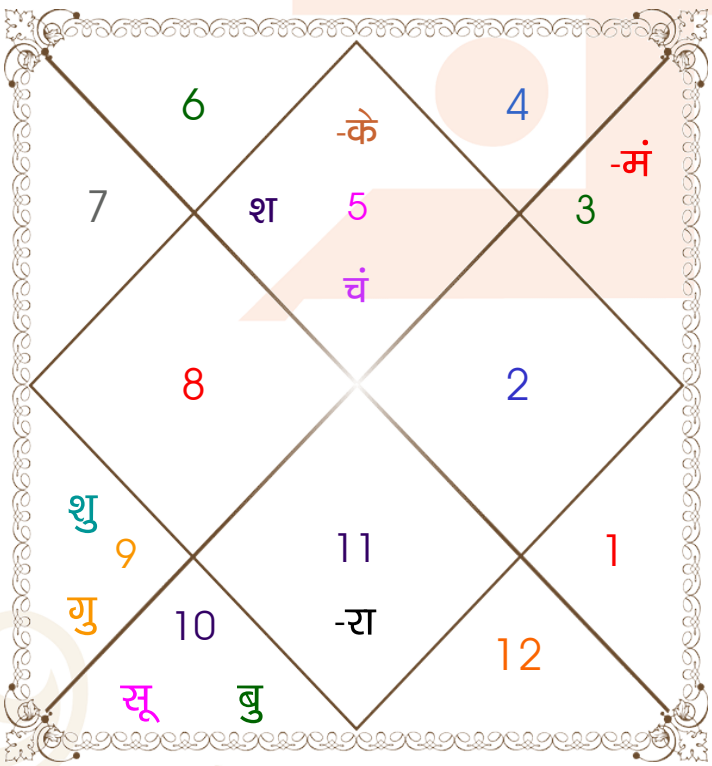

चन्द्र कुंडली

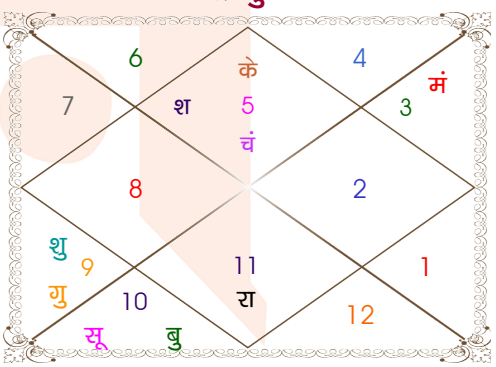

नवमांश कुंडली

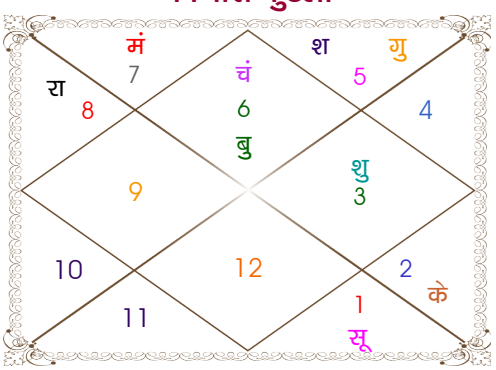

विंशोत्तरी दशा

भोग्य दशा काल : शुक्र 11 वर्ष 3 मास 8 दिन

शुक्र 20 वर्ष		सूर्य 6 वर्ष		चंद्र 10 वर्ष		मंगल 7 वर्ष		राहु 18 वर्ष	
25/01/2008		05/05/2019		04/05/2025		05/05/2035		05/05/2042	
05/05/2019		04/05/2025		05/05/2035		05/05/2042		04/05/2060	
	00/00/0000	सूर्य	22/08/2019	चंद्र	05/03/2026	मंगल	01/10/2035	राहु	15/01/2045
	00/00/0000	चंद्र	21/02/2020	मंगल	04/10/2026	राहु	19/10/2036	गुरु	10/06/2047
	00/00/0000	मंगल	28/06/2020	राहु	04/04/2028	गुरु	24/09/2037	शनि	16/04/2050
	25/01/2008	राहु	23/05/2021	गुरु	04/08/2029	शनि	03/11/2038	बुध	03/11/2052
राहु	04/07/2009	गुरु	11/03/2022	शनि	05/03/2031	बुध	31/10/2039	केतु	21/11/2053
गुरु	04/03/2012	शनि	21/02/2023	बुध	03/08/2032	केतु	29/03/2040	शुक्र	21/11/2056
शनि	05/05/2015	बुध	28/12/2023	केतु	04/03/2033	शुक्र	29/05/2041	सूर्य	16/10/2057
बुध	05/03/2018	केतु	04/05/2024	शुक्र	03/11/2034	सूर्य	04/10/2041	चंद्र	17/04/2059
केतु	05/05/2019	शुक्र	04/05/2025	सूर्य	05/05/2035	चंद्र	05/05/2042	मंगल	04/05/2060

गुरु 16 वर्ष		शनि 19 वर्ष		बुध 17 वर्ष		केतु 7 वर्ष		शुक्र 20 वर्ष	
04/05/2060		04/05/2076		05/05/2095		05/05/2112		06/05/2119	
04/05/2076		05/05/2095		05/05/2112		06/05/2119		00/00/0000	
गुरु	22/06/2062	शनि	08/05/2079	बुध	01/10/2097	केतु	01/10/2112	शुक्र	04/09/2122
शनि	03/01/2065	बुध	15/01/2082	केतु	28/09/2098	शुक्र	01/12/2113	सूर्य	05/09/2123
बुध	11/04/2067	केतु	24/02/2083	शुक्र	30/07/2101	सूर्य	08/04/2114	चंद्र	05/05/2125
केतु	16/03/2068	शुक्र	25/04/2086	सूर्य	05/06/2102	चंद्र	07/11/2114	मंगल	05/07/2126
शुक्र	15/11/2070	सूर्य	07/04/2087	चंद्र	04/11/2103	मंगल	05/04/2115	राहु	26/01/2128
सूर्य	04/09/2071	चंद्र	06/11/2088	मंगल	01/11/2104	राहु	23/04/2116		00/00/0000
चंद्र	03/01/2073	मंगल	16/12/2089	राहु	21/05/2107	गुरु	30/03/2117		00/00/0000
मंगल	10/12/2073	राहु	22/10/2092	गुरु	26/08/2109	शनि	09/05/2118		00/00/0000
राहु	04/05/2076	गुरु	05/05/2095	शनि	05/05/2112	बुध	06/05/2119		00/00/0000

- उपरोक्त दशा चंद्रमा के अंशो के आधार पर दी गई है। भयात भभोग के आधार पर दशा का भोग्यकाल शुक्र 11 वर्ष 4 मा 4 दि होता है।
- उपरोक्त तिथियां दशा के समाप्त होने का समय दर्शाती हैं। विंशोत्तरी दशा पूरे 120 वर्ष की बिना आयुनिर्णय के दी गई हैं।

लग्न फल

आपका जन्म पूर्वा फाल्गुनी नक्षत्र के द्वितीय चरण में सिंह लग्नोदय काल में हुआ था। साथ ही कन्या नवमांश एवं धनु राशि के द्रेष्काण द्वारा एक शुभ आकृति से यह स्पष्ट हो रहा है कि आप भारत स्थित शहरी क्षेत्र के निवासियों के समान जो कार्य काल बसों की प्रतीक्षा और दौड़-धूप कर अपने कार्य पर पहुंचते है। उस प्रकार की दिक्कतें का सामना आपको नहीं करना होगा। अर्थात् जन्म के शुभ लक्षण से यह प्रतीत हो रहा है कि आपको जन्म से ही वाहन सुख प्राप्त होगा।

आपको कही भी यात्रा क्रम में सार्वजनिक यातायात के लिए गाड़ी बस ट्रान्सपोर्ट आदि प्रकार की सुविधा हेतु बिना संघर्ष के ही आपकी यात्रा के पथ प्रशस्त होंगे। कही भी बस आदि से यात्रा हेतु कतार में लगकर अपने समय का अपव्यय नहीं करना पड़ेगा। आपको अपनी यात्रा हेतु अपने पास कार-बस आदि उपलब्ध होने का लाभ एवं आनन्द प्राप्त करने का वरदान प्राप्त है। वास्तविकता तो यह है कि आपको अपने स्वयं के पास वाहनों की सुविधा युक्त समर्थ होने का सौभाग्य प्राप्त है।

आपका जीवन उत्तम प्रकार के वाहन सुखों से युक्त, आरामदायक एवं आनन्द से परिपूर्ण रहेगा। आप अपार धन, सम्पति से युक्त कुशाग्र बुद्धि की विद्वान एवं अनेक कलाओं में प्रवीण होंगी। आप सर्वोत्तम प्रकार से अपना जीवन व्यतीत करेंगी। आप निम्नरूपेण उच्च श्रेणी की सेवा एवं कर्म से संबंधित रहेंगी। जो आपके लिए उपयुक्त एवं लाभप्रद प्रमाणित होगा।

आप व्यक्तिगत रूप से सतत कठिन श्रम करने वाली, उपव्यवसाय की खोज में लगे रहने वाली, दृढ़निश्चयी एवं प्रभावशाली प्राणी होंगी। आप सदा-सर्वदा कार्य विन्दु को निर्धारित समय से पूर्व संपन्न करने के पहले ही अन्य कार्य को हस्तगत करने की इच्छुक रहेंगी तथा आप निश्चित रूप से अपने अनुबंध में सफलता प्राप्त करेंगी।

आप भ्रमणप्रिय हैं। आप अपना अधिक समय घर से बाहर अन्यत्र बिताएंगी। किसी प्रकार विवश होकर कुछ समय अपने प्रिय परिवार के लिए बचाकर उनके साथ बिताएंगी। आप अपनी शक्ति एवं सामर्थ्य से सभी कार्यों को प्रसन्नतापूर्वक संपन्न कर लेंगी।

आपकी मित्र मण्डली बड़ी होगी। आपके मित्र आपको सहानुभूति पूर्वक मान-प्रतिष्ठा प्रदान करेंगे। आप अपने रास्ते से चलेंगी-वे मित्रगण आपका सहयोग करेंगे। मित्रगण आपका उच्चस्तरीय मूल्यांकन कर अपनी दिशा मोड़कर आपकी पंक्ति में खड़े होंगे अर्थात् आपको साथ देंगे।

आप मात्र अपने कर्म व्यवसाय से ही नहीं अच्छे लाभ प्राप्त करेंगी। आप तो सदैव भाग्यशाली समय अर्थात् मौके की तलाश में रहकर अपने भाग्य को दाव पर लगाकर लाभ प्राप्त करेंगी। इसका यह अर्थ नहीं कि आप सदैव ही जुआ खेलकर अपनी भाग्योन्नति हेतु प्रयास करेंगी। परन्तु आप यदा-कदा पाशे फेंक कर अपने इस कर्म को लाभदायक प्रमाणित कर सकती है।

आपकी महत्वपूर्ण आय प्रर्याप्त है, इसमें किसी भी प्रकार की दुर्भावना नहीं है। आप बहुत धन संचय करने में समर्थ नहीं हैं क्योंकि आप जन सामान्य की नजरों में यह प्रदर्शित करेंगी कि आप अपने परिवार को एक धनाढ्य महिला की तरह भरण पोषण करती हैं। आप सदैव अपनी आय का कुछ अंश अपने घर में व्यय करेंगी।

यद्यपि आपका स्वास्थ्य उत्तम रहेगा। तथापि बाद में कतिपय रोगादि के प्रति आपको थोड़ी सतर्कता बरतना आवश्यक है। क्योंकि आपका कार्यक्रम व्यस्ततम रहता है तथा लम्बे समय तक कार्यरत रहेंगी।

आपकी यह कार्यतंत्रियाँ अधिक समय तक कार्यरत रहने के लिए सक्षम नहीं भी हो सकती है। फलस्वरूप आपके हृदय पर एवं रीढ़ की हड्डियों पर इसका प्रतिकूल प्रभाव पड़ सकता है। अतएव आपको इस व्यस्ततम कार्यक्रम का प्रतिकार कर शान्तिपूर्वक विश्राम ग्रहण करना चाहिए।

आपके उत्तम स्वास्थ्य एवं जीवन पर अनुकूल प्रभाव हेतु पूर्णिमा का व्रत रखना अच्छा होगा। इससे आपको विभिन्न प्रकार का अति सहयोग प्राप्त होगा।

आपके लिए साप्ताहिक दिनों में भाग्यशाली दिन रविवार, मंगलवार, और गुरुवार का दिन किसी भी बड़े कार्यों को प्रारंभ करने के लिए उपयुक्त एवं ठीक है। परंतु बुधवार, शुक्रवार एवं शनिवार का दिन आपके नये कार्य-कलाप के प्रारंभ करने हेतु अनुपयुक्त हैं। कृपया इन तीन दिनों को अव्यवहारणीय समझे। सोमवार आप के लिए मध्य फलदायक है।

परन्तु आपको सोमवार एवं शनिवार के प्रति सावधानी बरतनी चाहिए क्योंकि ये दोनों दिन आपके लिए अनुकूल नहीं है।

आपके लिए अनुकूल एवं प्रदोल्लित करने वाले अंक 1, 4, 5, 6 एवं 9 अंक है। परन्तु अंक 2, 7 एवं 8 अंक आपके लिए प्रतिकूल हैं।

आपके लिए अनुकूल रंग नारंगी, लाल एवं हरा रंग है। रंग नीला, सफेद एवं काला रंग आपके लिए प्रतिकूल रंग है।